AP-V/SNS-501DSE-1A/19

B.A. 5th Semester (Programme) Examination, 2019-20

SANSKRIT

Course ID : 50918 **Course Code : APSNS-501DSE-1A**

Course Title: Kāvya and Philosophy

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. অধোলিখিতেষু প্রশ্নেষু যথেচ্ছং *পञ্চ*প্রশ্নানাম্ উত্তরং প্রদেয়ম্ : 2×5=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর লেখো ঃ

(a) কুমারসম্ভবস্য সর্গসংখ্যা: কতি? তব পাঠ্যসর্গস্য নাম কিম্?
কুমারসম্ভবের সর্গসংখ্যা কত? তোমার পাঠ্যসর্গের নাম কী?

(b) কুমারসম্ভবস্য মুখ্যটীকাকারস্য মুখ্যটীকায়া: চ নাম লিখ্যতাম্।
কুমারসম্ভবের মুখ্যটীকাকারের ও মুখ্যটীকার নাম লেখো।

(c) 'মনোভব:' ক:? স: কেন দগ্ধোऽভবত্?
'মনোভব:' কে? তিনি কার দ্বারা দগ্ধ হয়েছিলেন?

(d) কুমারসম্ভবস্য নায়িকা কা? তস্যা: পিতরৌ কৌ স্ত:?
কুমারসম্ভবের নায়িকা কে? তাঁর পিতা-মাতা কে কে?

(e) 'বিবেকচূডামণি' ইতি গ্রন্থ: কেন রচিত:? কস্য দর্শনস্য গ্রন্থোऽয়ম্?
'বিবেকচূড়ামণি' গ্রন্থের রচয়িতা কে? এটি কোন দর্শনের গ্রন্থ?

(f) জগতি কিং ত্রয়ং দুর্লভম্? কস্য অনুগ্রহেণ তত্ত্রয়ং প্রাপ্যতে?
জগতে কোন তিনটি দুর্লভ? কার অনুগ্রহে সেই তিনটি পাওয়া যায়?

(g) কিং নাম অনুবন্ধচতুষ্টয়ম্?
অনুবন্ধচতুষ্টয় কী কী?

(h) বিবেকচূডামণে: মঙ্গলশ্লোকে কস্য স্তুতি: কৃতা?
বিবেকচূড়ামণি গ্রন্থের মঙ্গলশ্লোকে কার স্তুতি করা হয়েছে?

2. यथेच्छ*मेकस्य* सप्रसङ्गव्याख्या संस्कृतेन देवनागरलिप्या च लेख्या। 5×1=5

যে কোনো *একটির* প্রসঙ্গসহিত সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে ব্যাখ্যা লেখো ঃ

(a) मनीषिताः सन्ति गृहेषु देवतास्तपः क्व वत्से क्व च तावकं वपुः।
पदं सहेत भ्रमरस्य पेलवं शिरीषपुष्पं न पुनः पतत्रिणः।।

(b) यथा प्रसिद्धैर्मधुरं शिरोरुहैर्जटाभिरप्येवमभूत्तदाननम्।
न षट्पदश्रेणिभिरेव पङ्कजं सशैबालासङ्गमपि प्रकाशते।।

3. यथेच्छ*मेकस्य* भावसम्प्रसारणं कार्यम् : 5×1=5

যে কোনো *একটির* ভাবসম্প্রসারণ করো ঃ

(a) प्रियेषु सौभाग्यफला हि चारुता।

(b) न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते।

4. यथेच्छं *द्वयोः* सप्रसङ्गव्याख्या कार्या। एकस्य अवश्यमेव व्याख्या संस्कृतेन देवनागरलिप्या लेख्या। 5×2=10

যে কোনো *দুটির* প্রসঙ্গসহিত লিপিতে ব্যাখ্যা লেখো। একটির ব্যাখ্যা অবশ্যই সংস্কৃতে ও দেবনাগরীতে লেখো।

(a) अमृतत्वस्य नाशास्ति वित्तेनेत्येव हि श्रुतिः।
ब्रवीति कर्मणो मुक्तेरहेतुत्वं स्फुटं यतः।।

(b) उद्धरेदात्मनात्मानं मग्नं संसारवारिधौ।
योगारूढत्वमासाद्य सम्यग्दर्शननिष्ठया।।

(c) चित्तस्य शुद्धये कर्म न तु वस्तूपलब्धये।
वस्तुसिद्धिर्विचारेण न किञ्चित् कर्मकोटिभिः।।

(d) विवेकिनो विरक्तस्य शमादिगुणशालिनः।
मुमुक्षोरेव हि ब्रह्मजिज्ञासायोग्यता मता।।

5. अधोलिखितेषु कस्यचिद*ेकस्य* प्रश्नस्य उत्तरं लेख्यम्। 10×1=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *একটি* প্রশ্নের উত্তর লেখো ঃ

(a) तपस्यार्थं पार्वती कुत्र गतवती? तत्स्थानं कीदृशं केन नाम्ना च अभिहितमासीत्? तस्याः तपसः वर्णना कार्या। 1+2+7=10

তপস্যার জন্য পার্বতী কোথায় গিয়েছিলেন? সেই স্থানটি কীরকম ও কোন নামে অভিহিত হত? তাঁর তপস্যার বর্ণনা করো।

(b) किं नाम साधनचतुष्टयम्? विवेकचूडामणिमनुसृत्य संक्षेपेण आलोच्यताम्। 2+8=10

সাধনচতুষ্টয় কী? 'বিবেকচূড়ামণি' গ্রন্থ অনুসারে সাধনচতুষ্টয় সম্পর্কে সংক্ষেপে আলোচনা করো।

(c) 'आत्महा' कः? विवेकचूडामणिमाश्रित्य आत्मनः स्वरूपं लिख्यताम्। 1+9=10

আত্মহা কে? 'বিবেকচূড়ামণি' গ্রন্থ অনুসারে আত্মার স্বরূপ লেখো।